University in News on 07 February 2025

AMAR UJALA MY CITY PAGE 7

लविविः 10 कर्मचारी बने कार्यालय अधीक्षक

प्रोन्नत समिति की बैठक में 49 कर्मचारी बनाए गए वरिष्ठ सहायक

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में बृहस्पतिवार को कर्मचारियों की प्रोन्नत समिति की बैठक हुई। इसमें विभिन्न पटलों पर लंबे समय से सेवा दे रहे 10 कर्मचारियों को कार्यालय अधीक्षक के पद पर पदोन्नत किया गया।

कुलसचिव विद्यानंद त्रिपाठी व डीन प्रो. अरविंद मोहन की मौजूदगी में हुई बैठक में कुलसचिव कार्यालय के अनिल कुमार अवस्थी, अमर बहादुर, श्याम कुमार, रविशंकर व श्रीकृष्ण कश्यप और केंद्रीय लेखा कार्यालय के नवीन श्रीवास्तव, संजू पांडेय व मीनाक्षी श्रीवास्तव कला संकाय के डॉ. ओपी सिंह जी टैगोर पुस्तकालय के राहुल मिश्रा जी को कार्यालय अधीक्षक के पद पर पदोन्नत करने की संस्तुति की गई।

समिति में विश्वविद्यालय के 49 कनिष्ठ सहायकों को वरिष्ठ सहायक के पद प्रोन्नत किए जाने की भी संस्तुति की। लखनऊ विवि कर्मचारी परिषद ने विवि प्रशासन को धन्यवाद दिया है। उधर, कर्मचारियों में खुशी की लहर है।

लविवि व सहयुक्त कॉलेजों में एक वर्षीय बीएड की भी पढ़ाई

नेशनल काउंसिल फॉर टीचर एजुकेशन की ओर से तैयार कराया गया कार्यक्रम

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। आने वाले वर्षों में लखनऊ विश्वविद्यालय व सहयुक्त शिक्षण संस्थानों में विद्यार्थी एक वर्षीय बीएड की भी पढ़ाई कर पाएंगे। अभी इनमें दो वर्षीय बीएड की ही पढ़ाई होती है।

एक वर्षीय बीएड के लिए लविवि जल्द ही आवेदन करेगा और मान्यता मिलते ही इसमें प्रवेश के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। एक वर्षीय बीएड कोर्स में चार वर्षीय स्नातक और परास्नातक करने वाले विद्यार्थी दाखिला लेने के लिए अर्ह होंगे।

नेशनल काउंसिल फॉर टीचर एजुकेशन (एनसीटीई) ने देशभर के उच्च शिक्षा संस्थानों के विशषज्ञों वाली समिति की निगरानी में एक वर्षीय बीएड पाठ्यक्रम तैयार कराया है। लखनऊ विश्वविद्यालय के शिक्षा संकाय प्रो. तृप्ता त्रिवेदी इसकी अध्यक्ष रही हैं।

उन्होंने बताया कि एक वर्षीय बीएड कोर्स का फाइनल ड्राफ्ट एनसीटीई के वरिष्ठ अधिकारियों को दे दिया गया है। जैसे ही उनकी ओर से इसे शुरू करने और इसमें दाखिले की गाइडलाइन जारी की जाती है, लविवि भी इसके लिए आवेदन कर देगा। अभी लविवि में चल रहे दो वर्षीय बीएड कोर्स में हर वर्ष 50 सीटों पर प्रवेश लिए जाते हैं।

विवि में अभी दो वर्षीय बीएड की होती है पढ़ाई, हर वर्ष 50 सीटों पर होते हैं दाखिले

एक वर्षीय बीएड कोर्स में चार वर्षीय स्नातक, परास्नातक करने वाले ले सकेंगे प्रवेश

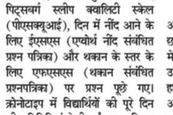

चार वर्षीय बीएड भी कर सकेंगे विद्यार्थी

- प्रो. तृप्ता ने बताया कि एनसीटीई ने चार वर्षीय बीएड कोर्स भी डिजाइन कराया है। यह अभी बुंदेलखंड विश्वविद्यालय समेत चुनिंदा संस्थानों में चल रहा है। 12वीं पास करने के बाद विद्यार्थी इसमें प्रवेश ले सकते हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी 2020) में स्कूल शिक्षा में चार चरण (5+3+3+4) का प्रावधान किया गया है। ऐसे में एनसीटीई ने इन चारों स्तर के शिक्षक तैयार करने के लिए चार वर्षीय बीएड लॉन्च किया है। इससे अभ्यर्थी चारों स्तर की विशेषज्ञता हासिल कर नर्सरी से लेकर 12वीं तक के विद्यार्थी को पढ़ाने के लिए तैयार हो सकेंगे।

बीएड में प्रवेश के लिए 15 से आवेदन शुरू

राज्य स्तरीय बीएड (द्विवर्षीय) संयुक्त प्रवेश परीक्षा 2025 के लिए अधिसूचना जारी कर दी गई है। इसमें प्रवेश के लिए अभ्यर्थी 15 फरवरी से वेबसाइट www.bujhansi.ac.in पर आवेदन फॉर्म भर सकेंगे। इसकी अंतिम तिथि 15 मार्च है। बीएड संयुक्त प्रवेश परीक्षा का आयोजन इस वर्ष भी बुंदेलखंड विश्वविद्यालय झांसी कर रहा है।

डॉ. रजनीश को राज्यपाल ने किया सम्मानित

लखनऊ। एनसीसी में बेहतर प्रदर्शन करने पर लखनऊ विश्वविद्यालय के एसोसिएट प्रो. लेफ्टिनेंट डॉ. रजनीश कुमार यादव को राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने बृहस्पतिवार को पुरस्कृत किया। उन्हें पदक व प्रशस्ति पत्र दिया गया। यह अवॉर्ड लविवि में एनसीसी की विभिन्न गतिविधियां कराने में प्रतिबद्धता और समर्पण देने के लिए दिया गया। (संवाद)

NBT PAGE 4

राज्यपाल ने एनसीसी कैडेट्स का किया सम्मान

एलयू के असोसिएट एनसीसी ऑफिसर लेफ्टिनेंट रजनीश कुमार यादव सम्मानित किए गए।

■ NBT रिपोर्ट, लखनऊः राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने गुरुवार को राजभवन में एनसीसी कैडेट्स को सम्मानित किया। कैडेट्स नई दिल्ली में गणतंत्र दिवस समारोह में शामिल हुए थे। एनसीसी दल को राज्यपाल ने स्वर्ण, रजत पदक और एनसीसी इंटर ग्रुप बैनर देकर सम्मानित किया। सर्वश्रेष्ठ छह कैडेट्स को गवर्नर्स स्वर्ण और छह रजत पदक प्रदान किए गए। आरडीसी दल को भी पुरस्कृत किया गया। स्वर्ण पदक से सम्मानित होने वाले कैडेट्स में एनसीसी ग्रुप मुख्यालय गाजियाबाद के कनिष्क, अंशिका सिन्हा और मानसी शामिल रहीं। इसके अलावा एनसीसी ग्रुप मुख्यालय आगरा के कृति नौटियाल और एनसीसी ग्रुप मुख्यालय लखनऊ के विशाल सिंह और अंशिका कुमारी शामिल रहीं।

AMRIT VICHAR PAGE 4

विधिक साक्षरता विषय पर कार्यशाला का आयोजन

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय में स्थापित विधिक सहायता केंद्र व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के संयुक्त तत्वाधान में कृष्णा कॉन्वेंट इंटर कॉलेज में मौलिक अधिकारों और कर्तव्यों पर जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सुदीप विद्या गुप्ता ने समानता के अधिकारों की विशेषता व महत्त्वा बताते हुए की। कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए निखिल चौहान ने संविधान में लिखित अनुच्छेद 19 में उल्लेखित स्वतंत्रताओं के बारे में जानकारी दी। इसके पश्चात अनस अली ने शोषण के विरुद्ध अधिकार के बारे मे बताया और धार्मिक, सांस्कृतिक और शैक्षणिक स्वतंत्रता के बारे में भी छात्रों को समझाया। राशिका सचान ने मौलिक अधिकारों के हनन व संविधान में उल्लेखित कानूनी उपचार के बारे में समझाया साथ ही मौलिक कर्तव्यों की विस्तृत जानकारी दी, जिसमें उन्होंने देशभक्ति पे जोर दिया और देश के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। मोहनी तिवारी ने छात्रों के प्रश्नों का उत्तर देकर कार्यशाला का समापन किया तथा छात्रों से भी मौलिक अधिकार व कर्तव्यों के विषय में प्रश्न पूछे जिनके उत्तर छात्रों ने बहुत ही सटीकता से दिए इस प्रकार कार्यक्रम का सफलता पूर्वक समापन हुआ। विद्यालय के प्राचार्य मनोरमा सचान ने इस ऊर्जात्मक व जागरूकता से भरपूर सत्र के सफल आयोजन के लिए आभार व्यक्त किया।

दर्शन शास्त्र विभाग में आयोजित हुआ व्याख्यान

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के दर्शनशास्त्र विभाग में चार दिवसीय विशेष व्याख्यान का आयोजन डॉ. रजनी श्रीवास्तव ने किया गया। विभाग के प्रोफेसर ऑफ एमिनेंस प्रो. राकेश चंद्रा ने रसेल के दर्शन पर चर्चा किया। इस व्याख्यान में डॉ. प्रशांत शुक्ला, डॉ. राजेश्वर प्रसाद यादव और शोध छात्र, व अन्य छात्र उपस्थित रहे।

JAGRAN CITY PAGE III

डा. रजनीश को राज्यपाल ने किया सम्मानित

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने एनसीसी आफिसर डा. रजनीश कुमार यादव को राज्यपाल पदक अवार्ड और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया • सौजन्य से लवि

जासं • लखनऊ : उप्र की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने लवि के 64 यू पी बटालियन की एसोसिएट एनसीसी आफिसर डा. रजनीश कुमार यादव को राज्यपाल पदक अवार्ड और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। अवार्ड लवि में एनसीसी की विभिन्न गतिविधियों को संचालित करने में अपनी असाधारण प्रतिबद्धता एवं समर्पण से एनसीसी गतिविधियों को क्रियान्वित करने के लिए दिया गया।

इसमें रक्तदान, मलिन बस्तियों में कपड़ों का वितरण एवं बालिकाओं को व्यक्तिगत स्वच्छता के बारे में जागरूक करना, मिशन शक्ति में एनसीसी का प्रतिभाग, एनसीसी के विभिन्न कैंप में एनसीसी कैडेट्स का चयन, लवि 26 जनवरी परेड, गार्ड आफ आनर तथा एनसीसी कैडेट्स का अग्निवीर व अधिकारी के रूप में चयन आदि में ले. डा. रजनीश का योगदान रहा है। इसी आधार पर उत्तर प्रदेश एनसीसी निदेशालय की अनुशंसा पर राज्यपाल ने मेडल आफ एक्सीलेंस से सम्मानित किया। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने भी डा. रजनीश को बधाई दी।

अधूरी नींद से बढ़ रहा विद्यार्थियों में तनाव

अखिल सक्सेना • जागरण

दिए गए सुझाव

- विद्यार्थियों के पढ़ने और सोने का समय निर्धारित होना जरूरी
- विद्यार्थियों के लिए फ्री आवर हो, जिसमें एक्टिविटी कराई जाएं
- अभिभावक बच्चों को तनाव से दूर रखने का प्रयास करें।

लखनऊ : देर रात तक पढ़ाई करना, सुबह देर से उठना। नींद पूरी न होने से दिन भर सिर में भारीपन रहना। यह लक्षण छात्र-छात्राओं में तनाव बढ़ा रहे हैं। लवि के जंतु विज्ञान विभाग की ओर से राजधानी के विभिन्न स्कूलों में कक्षा नौ से 12वीं तक के 884 छात्र-छात्राओं पर शोध में यह तथ्य सामने आए हैं। शोध में छात्र-छात्राओं में क्रोनोटाइप (किसी व्यक्ति की आंतरिक जैविक घड़ी के आधार पर सोने व जागने के लिए उसके पसंदीदा समय का विवरण) के साथ-साथ उनकी लार लेकर नींद व तनाव के लिए मेलाटोनिन और कोर्टिसोल हार्मोस की जांच की गई थी। शोध रिपोर्ट को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद भेजी जाएगी।

विभाग की प्रो. शैली मलिक को वर्ष 2021 में सीएसटी से 'डेली पैटर्न्स आफ क्लाक रिलेटेड फिजियोलाजी एंड बिहैवियर इन यंग स्टूडेंट्स' शोध प्रोजेक्ट मिला था। बताया कि लखनऊ के कई स्कूलों के कक्षा नौ से 12वीं तक के 13 से 19 वर्ष की आयु वाले छात्र-छात्राओं पर यह शोध पूरा हुआ है। इसमें तीन प्रकार की प्रश्नावली का प्रयोग किया गया। क्रोनोटाइप सर्वेक्षण में एमईक्यू (प्रातःकालीन, सायंकालीन प्रश्नावली), नींद की गुणवत्ता के लिए पिट्सबर्ग स्लीप क्वालिटी स्केल (पीएसक्यूआई), दिन में नींद आने के लिए ईएसएस (एप्वोर्थ नींद संबंधित प्रश्न पत्रिका) और थकान के स्तर के लिए एफएसएस (थकान संबंधित प्रश्नपत्रिका) पर प्रश्न पूछे गए। क्रोनोटाइप में विद्यार्थियों की पूरे दिन की गतिविधियां देखी गईं। 40 प्रतिशत (354) छात्र-छात्राएं सुबह से ही अपने कार्यों को लेकर सक्रिय मिले। 50 प्रतिशत (442) छात्र-छात्राओं का कोई निश्चित समय नहीं निर्धारित था। उन्हें नीदर टाइम की श्रेणी में रखा गया। सायंकालीन प्रकार वालों में 10 प्रतिशत विद्यार्थी देर रात तक जागने और सुबह देर से दिन की शुरुआत करने में रुचि रखते हैं। इनको पर्याप्त नींद न मिलने की वजह से उनमें तनाव का स्तर बढ़ा मिला। उसकी गुणवत्ता खराब थी। 30 प्रतिशत आबादी थकान से पीड़ित थी।

लार से हुई हार्मोस की जांच : परीक्षा और बिना परीक्षा के दिनों में सभी छात्र-छात्राओं के दो हार्मोस मेलाटोनिन और मेलाटोनिन की जांच उनकी लार से की गई। मेलाटोनिन हार्मोस नींद से संबंधित है। शोध के अनुसार सुबह के समय और नीदर टाइम वाले 50 प्रतिशत विद्यार्थियों में हार्मोस का स्तर यह सही था। 10 प्रतिशत वालों में रात के समय हार्मोस का स्तर उच्च नहीं था। लेकिन दोपहर के समय देखने पर स्तर उच्च पाया गया। परीक्षा के दौरान सभी छात्र-छात्राओं में मेलाटोनिन का स्तर कम पाया गया। मतलब उनकी नींद पूरी नहीं हो पा रही। कोर्टिसोल हार्मोस से विद्यार्थियों में सुबह और रात में जांच में तनाव देखा तो सुबह इसका स्तर बढ़ा पाया गया।

TOI PAGE 5

Guv awards NCC officer for commitment & dedication

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: Governor Anandiben Patel awarded Lieutenant (Dr) Rajneesh Kumar Yadav, Associate NCC Officer of 64 UP Battalion, Lucknow University with the Governor's Medal Award and Certificate of Appreciation on Thursday.

This award was given to Yadav for his exceptional commitment and dedication in conducting various NCC activities at Lucknow University. These activities include blood donation, distribution of clothes in slum areas, awareness campaigns for personal hygiene among girls, celebrating various festivals with elderly people in old age homes, participation in Mission Shakti, selection of NCC cadets for various camps, participation in the Jan 26 parade and Guard of Honour at Lucknow University, and selection of NCC cadets as Agniveer and officers.

HINDUSTAN PAGE 7

एलयूः बीएड एक वर्षीय पाठ्यक्रम तैयार

- एलयू और संस्थानों में जल्द कोर्स शुरू होगा
- एनसीटीई अधिकारियों को दिया गया ड्राफ्ट

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय और संबद्ध शिक्षण संस्थानों में जल्द ही एक वर्षीय बीएड पाठ्यक्रम शुरू हो सकेंगे। इसके लिए नेशनल काउंसिल फॉर टीचर एजुकेशन (एनसीटीई) की गाइडलाइन का इंतजार किया जा रहा है। एलयू के शिक्षा संकाय की प्रोफेसर तृप्ता त्रिवेदी की अध्यक्षता में एक वर्षीय बीएड पाठ्यक्रम का ड्राफ्ट बनकर तैयार हुआ है। जिसमें देशभर के उच्च शिक्षा संस्थानों के विशेषज्ञ शामिल रहे।

प्रोफेसर तृप्ता ने बताया कि एलयू में विद्यार्थी एक वर्षीय बीएड की पढ़ाई भी कर पाएंगे। अभी यहां दो वर्षीय बीएड की पढ़ाई ही होती है। उनका कहना है कि एक वर्षीय बीएड कोर्स में चार वर्षीय स्नातक और परास्नातक वाले विद्यार्थी प्रवेश लेने के पात्र होंगे।

शिक्षा संकाय की प्रो. तृप्ता त्रिवेदी ने बताया कि एक वर्षीय बीएड कोर्स को तैयार कर उसका फाइनल ड्राफ्ट एनसीटीई के वरिष्ठ अधिकारियों को दे दिया गया है। जैसे ही उनकी तरफ इसे शुरू करने और दाखिले के लिए गाइडलाइन जारी की जाती है, एलयू भी आवेदन करेगा। वर्तमान में एलयू में दो वर्षीय बीएड कोर्स है। प्रो. तृप्ता ने बताया कि एनसीटीई ने चार वर्षीय बीएड कोर्स भी डिजाइन कराया है।

दो वर्षीय बीएड के लिए आवेदन 15 फरवरी से

राज्य स्तरीय बीएड (द्विवर्षीय) संयुक्त प्रवेश परीक्षा 2025 के लिए अधिसूचना जारी कर दी गई है। इस वर्ष भी बुंदेलखंड विश्वविद्यालय झांसी ही बीएड संयुक्त प्रवेश परीक्षा का आयोजन कर रहा है। अभ्यर्थी 15 फरवरी से bujhansi.ac.in पर आवेदन फॉर्म भर सकेंगे। अंतिम तिथि 15 मार्च है।

मौलिक अधिकारों की जानकारी दी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय में विधिक सहायता केंद्र ने गुरुवार को कृष्णा कॉन्वेंट इंटर कॉलेज जानकीपुरम में विधिक कार्यशाला का आयोजन किया। अध्यक्ष डॉ. अभिषेक तिवारी ने बताया कि स्कूली बच्चों को मौलिक अधिकार और कर्तव्यों की जानकारी दी। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की मदद से कार्यक्रम में सुदीप विद्या गुप्ता ने समानता के अधिकार बताए।

अनस अली ने शोषण के विरुद्ध अधिकार और धार्मिक, सांस्कृतिक और शैक्षणिक स्वतंत्रता के बारे में भी जानकारी दी।

लखनऊ के नीतिश और एलयू के रजनीश सम्मानित

राज्यपाल के रजत पदक से सम्मानित होने वाले कैडेटों में एनसीसी ग्रुप मुख्यालय लखनऊ के कैडेट नीतिश यादव शामिल हैं। वहीं एलयू के एसोसिएट प्रोफेसर लेफ्टिनेंट डॉ. रजनीश कुमार यादव को एनसीसी गतिविधियों में बेहतर प्रदर्शन के लिए राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने पुरस्कृत किया। एएनओस और पीआई स्टाफ को भी राज्यपाल ने पुरस्कार प्रदान किया। इस दौरान राज्यपाल ने राजभवन में सभा को सम्बोधित किया।

SWATANTRA BHARAT PAGE 2

डॉ.रजनीश को राज्यपाल ने किया सम्मानित

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने लेफ्टिनेंट डॉ.रजनीश कुमार यादव एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर, 64 यूपी बटालियन, लखनऊ विश्वविद्यालय को राज्यपाल पदक और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। यह अवार्ड डॉ.रजनीश को लविवि में एनसीसी की विभिन्न गतिविधियों को संचालित करने में अपनी असाधारण प्रतिबद्धता और समर्पण से एनसीसी गतिविधियों को क्रियान्वित करने के कारण दिया गया। इन गतिविधियों में ब्लड डोनेशन, मलिन बस्तियों में कपड़ों का वितरण, मलिन बस्तियों में बालिकाओं को व्यक्तिगत स्वच्छता के बारे में जागरूक करना, वृद्धाआश्रम में वृद्धजनों के साथ विभिन्न उत्सवों को मनाना, मिशन शक्ति में एनसीसी का प्रतिभाग, एनसीसी के विभिन्न कैंप में एनसीसी कैडेट्स का चयन, लविवि में 26 जनवरी परेड व गार्ड ऑफ ऑनर और एनसीसी कैडेट्स का अग्निवीर व अधिकारी के रूप में चयन आदि। इन सभी गतिविधियों में डॉ.रजनीश कुमार यादव का विशेष योगदान रहा है। इसी आधार पर उत्तर प्रदेश एनसीसी निदेशालय की अनुशंसा पर राज्यपाल ने मेडल ऑफ़ एक्सीलेंस से सम्मानित किया।

लविवि में विशेष व्याख्यान का आयोजन

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के दर्शनशास्त्र विभाग में चार दिवसीय विशेष व्याख्यान का आयोजन विभागाध्यक्ष डॉ.रजनी श्रीवास्तव ने किया। यह व्याख्यान दर्शनशास्त्र विभाग के प्रोफेसर ऑफ एमिनेंस प्रो.राकेश चंद्रा द्वारा रसेल ऑन फिलॉसफी विषय पर दिया गया। उन्होंने अपने व्याख्यान में रसेल द्वारा प्रस्तुत की गई दर्शन की परिभाषा के साथ-साथ इसके स्वरूप को व्यक्त करने का प्रयास किया। रसेल किस प्रकार से पूर्व से चले आ रहे दर्शन के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए इसे एक विश्लेषण के रूप में व्यक्त करने का प्रयास करते हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि कैसे हम दर्शन को विज्ञान एवं धर्मशास्त्र से अलग कर सकते हैं और इसे इन दोनों विधाओं के बीच की विधा स्वीकार करते हैं। रसेल अपने विचार में दर्शन के स्वरूप को त्रिकालाबाधित न स्वीकार करके इसे वर्तमान स्थिति के रूप में समझने का प्रयास करते हैं। इस व्याख्यान में विभाग की विभागाध्यक्षा डॉ.रजनी श्रीवास्तव, डॉ.प्रशांत शुक्ला, डॉ.राजेश्वर प्रसाद यादव के साथ विभाग के शोध छात्र, स्नातक एवं परास्नातक छात्र भी उपस्थित रहे।

i-NEXT PAGE 4

ले. रजनीश को गवर्नर ने दिया अवॉर्ड

LUCKNOW : एलयू के एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर लेफ्टिनेंट रजनीश यादव को गवर्नर आनंदीबेन पटेल ने मेडल ऑफ एक्सीलेंस से सम्मानित किया. ले. रजनीश कुमार का ब्लड डोनेशन, स्वच्छता कार्यक्रम, मलिन बस्तियों में कपड़ों का वितरण, जागरूकता, मिशन शक्ति में एनसीसी का प्रतिभाग, विवि में 26 जनवरी की परेड, गार्ड ऑफ ऑनर व एनसीसी कैडेट्स का अग्निवीर में सिलेक्शन जैसे कामों में विशेष योगदान रहा है.

छात्रों को मौलिक कर्तव्यों से कराया रूबरू

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय में स्थापित विधिक सहायता केंद्र व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के संयुक्त तत्वावधान में विधि संकाय के अधिष्ठाता प्रो.बीडी सिंह, विधिक सहायता केंद्र के अध्यक्ष डॉ.अभिषेक कुमार तिवारी व विद्यालय के प्राचार्य मनोरमा सचान के कुशल मार्गदर्शन में जानकीपुरम स्थित एक इंटर कॉलेज में मौलिक अधिकारों और कर्तव्यों पर जागरूकता विस्तृत करने के उद्देश्य से कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सुदीप विद्या गुप्ता ने समानता के अधिकारों की विशेषता व महत्व बताते हुए की। कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए निखिल चौहान ने संविधान में लिखित अनुच्छेद 19 में उल्लेखित स्वतंत्रताओं के बारे में गहन जानकारी दी। इसके बाद अनस अली ने शोषण के विरुद्ध अधिकार के बारे मे बताया तथा धार्मिक, सांस्कृतिक व शैक्षणिक स्वतंत्रता के बारे में भी छात्रों को समझाया। कार्यशाला को आगे बढ़ाते हुए सदस्य राशिका सचान ने मौलिक अधिकारों के हनन व संविधान में उल्लेखित कानूनी उपचार के बारे में समझाया साथ ही मौलिक कर्तव्यों की विस्तृत जानकारी दी, जिसमें उन्होंने देशभक्ति पे जोर दिया और देश के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। केंद्र की सदस्य मोहनी तिवारी ने छात्रों के प्रश्नों का उत्तर देकर कार्यशाला का समापन किया तथा छात्रों से भी मौलिक अधिकार व कर्तव्यों के विषय में प्रश्न पूछे जिनके उत्तर छात्रों ने बहुत ही सटीकता से दिए इस प्रकार कार्यक्रम का सफलता पूर्वक समापन हुआ। विद्यालय के प्राचार्य मनोरमा सचान ने इस ऊर्जात्मक व जागरूकता से भरपूर सत्र के सफल आयोजन के लिए विधिक सेवा केंद्र, लविवि का आभार व्यक्त किया।

VOICE OF LUCKNOW PAGE 6

समानता के अधिकारों की विशेषता और महत्व की दी जानकारी

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय में स्थापित विधिक सहायता केंद्र व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के संयुक्त तत्वावधान में विधि संकाय के अधिष्ठाता प्रो. बीडी सिंह, विधिक सहायता केंद्र के अध्यक्ष डॉ. अभिषेक कुमार तिवारी व विद्यालय के प्राचार्य मनोरमा सचान के मार्गदर्शन में गुरुवार को कृष्णा कॉन्वेंट इंटर कॉलेज, जानकीपुरम में मौलिक अधिकारों और कर्तव्यों पर जागरूकता विस्तृत करने के उद्देश्य से कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत सुदीप विद्या गुप्ता ने समानता के अधिकारों की विशेषता व महत्वा बताते हुए की। कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए निखिल चौहान ने संविधान में लिखित अनुच्छेद 19 में उल्लेखित स्वतंत्रताओं के बारे में गहन जानकारी दी। इसके बाद अनस अली ने शोषण के विरुद्ध अधिकार के बारे में बताया और धार्मिक, सांस्कृतिक और शैक्षणिक स्वतंत्रता के बारे में भी छात्रों को समझाया। कार्यशाला को आगे बढ़ाते हुए सदस्य राशिका सचान ने मौलिक अधिकारों के हनन व संविधान में उल्लेखित कानूनी उपचार के बारे में समझाया। साथ ही मौलिक कर्तव्यों की विस्तृत जानकारी दी, जिसमें उन्होंने देशभक्ति पे जोर दिया और देश के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। केंद्र की सदस्य मोहनी तिवारी ने छात्रों के प्रश्नों का उत्तर देकर कार्यशाला का समापन किया तथा छात्रों से भी मौलिक अधिकार व कर्तव्यों के विषय में प्रश्न पूछे, जिनके उत्तर छात्रों ने बहुत ही सटीकता से दिये। विद्यालय के प्राचार्य मनोरमा सचान ने इस ऊर्जात्मक व जागरूकता से भरपूर सत्र के सफल आयोजन के लिए विधिक सेवा केंद्र, लखनऊ विश्वविद्यालय को आभार व्यक्त किया।

राज्यपाल ने मेडल ऑफ एक्सीलेंस से किया सम्मानित

लखनऊ। राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल उत्तर प्रदेश द्वारा लेफ्टिनेंट (डॉ.) रजनीश कुमार यादव एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर, 64 यू पी बटालियन, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ को राज्यपाल पदक अवार्ड और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। यह अवार्ड लखनऊ विश्वविद्यालय में एनसीसी की विभिन्न गतिविधियों को संचालित करने मे अपनी असाधारण प्रतिबद्धता और समर्पण से एनसीसी गतिविधियों को क्रियान्वित करने के कारण दिया गया। इन गतिविधियों में ब्लड डोनेशन, मलिन बस्तियों मे कपड़ों का वितरण, मलिन बस्तियों में बालिकाओं को व्यक्तिगत स्वच्छता के बारे में जागरूक करना, वृद्धाआश्रम में वृद्धजनों के साथ विभिन्न उत्सवों को मनाना, मिशन शक्ति मे एनसीसी का प्रतिभाग, एनसीसी के विभिन्न कैंप में एनसीसी कैडेट्स का चयन, लखनऊ विश्वविद्यालय में 26 जनवरी परेड व गार्ड ऑफ ऑनर तथा एनसीसी कैडेट्स का अग्निवीर व अधिकारी के रूप में चयन आदि। इन सभी गतिविधियों में ले. डॉ रजनीश कुमार यादव का विशेष योगदान रहा है। इसी आधार पर उत्तर प्रदेश एनसीसी निदेशालय की अनुशंसा पर राज्यपाल द्वारा मेडल ऑफ एक्सीलेंस से उन्हें सम्मानित किया गया है।